राष्ट्र के ६९वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहलीजी का गुजरात के नागरिकों के नाम संदेश।

(26th January, 2018)

- राष्ट्र के ६९वें गणतंत्र दिवस पर गुजरात प्रदेश के मेरे प्यारे भाईयों एवं बहनों को मेरी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमारे गुजराती परिवार जो देश-विदेशों में बसे हैं उन्हें भी मेरी हृदयपूर्वक बधाई एवं शुभकामनाएँ।
- इस पावन अवसर पर गुजरात की पावन भूमि में जन्म लेकर समग्र राष्ट्र एवं विश्व को शांति एवं अहिंसा का संदेश देने वाले राष्ट्रपिता पूज्य महात्मा गांधी जी, अखंड भारत के निर्माता एवं एकता की प्रेरणामूर्ति सरदार वल्लभभई पटेल और बाबा साहब आंबेडकर जी को में आदरपूर्वक प्रणाम करता हूँ। आजाद भारत को एक गणतांत्रिक राष्ट्र के रूप में आकार देने वाले देश के सभी नामी-अनामी सपूतों को नतमस्तक होकर वंदन करता हूँ।
- गणतंत्र पर्व के इस मौके पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उस कथन का स्मरण हो आता है कि "देश के लिए बलिदान देने का अवसर तो हमें नहीं मिला है, लेकिन हमारे पास देश के लिए काम कर बेहतर जीवन जीने का मौका है।" गुजरात राज्य ने राष्ट्रीय पर्व के उत्सव को जनहित के विभिन्न कार्यों से जोड़कर इस पर्व को सच्चे अर्थ में जन-उत्सव में परिवर्तित करके एक उत्कृष्ट मिसाल पेश की है।
- गणतंत्र यानी एक ऐसी व्यवस्था जिसमें सत्ता गण अर्थात जनता के हाथों में हो। इस सीधी-साधी और सरल व्याख्या को चरितार्थ करना किसी भी शासन व्यवस्था के लिए आसान काम नहीं है। परन्तु मुझे यह कहते हुए खुशी का अहसास हो रहा है कि, हमारा

गुजरात एक ऐसा राज्य है, जहां सत्ता के मूल में जनता का विचार है, जनता की चिंता है और जनता की फिक्र है और इसलिए ही हमारा गुजरात और गुजराती सच्चे अर्थ में 'गणतंत्र' होने का अहसास कर रहे हैं।

- लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में चुनाव एक महापर्व है। इस वर्ष गुजरात के नागरिकों ने चुनाव के इस महापर्व का स्वागत किया और सभी मतदाताओं ने जागरूकता दिखाते हुए लोकतंत्र के इस पर्व में उत्साह के साथ अपनी आस्था व्यक्त की। गुजरात चुनाव के जनादेश ने वर्तमान सरकार को पुनः चुनकर विकासोन्मुख दृष्टिकोण एवं अविरत विकास की अभिलाषा जताई है।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरक मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपाणी जी एवं उप मुख्यमंत्री श्री नीतिनभाई पटेल जी के नेतृत्व में गुजरात लोगों के सहयोग और उत्साह के साथ विकास की नई ऊंचाइयों को पार कर रहा है। राज्य सरकार ने पारदर्शिता, निर्णायकता, संवेदनशीलता और प्रगतिशीलता को ध्येयमंत्र बनाकर विकास और लोककल्याण के दायरे को बढ़ाने का निष्ठापूर्वक प्रयास किया है।
- यह बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि राज्य सरकार 'कॉमन मैन' यानी आम नागरिक को केन्द्र में रखकर, उनके सुख-दुःख की चिंता कर संवेदनशीलतापूर्वक पारदर्शी निर्णयों के साथ निरंतर कार्यरत है। गुजरात सरकार ने ३६५ दिनों में करीब पौने पांच सौ जनहित के निर्णय लेकर तथा उनका प्रभावी क्रियान्वयन कर निष्ठा, निर्णायकता और संवेदनशीलता का परिचय दिया है।
- सर्वांगीण विकास को समर्पित गुजरात की लोकप्रिय सरकार ने ग्रामीणों, शहरीजनों, किसानों, युवाओं, आदिवासियों, वंचितों, गरीबों और महिलाओं सहित सभी वर्गों के

और गुजरात के सभी क्षेत्रों के त्वरित विकास के लिए कई कदम उठाएं हैं। आज गणतंत्र पर्व की पूर्व संध्या पर मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि, मेरी सरकार ने वादें नहीं बल्कि ठोस इरादों के साथ पारदर्शिता, निर्णायकता, संवेदनशीलता और प्रगतिशीलतापूर्वक शासन का दायित्व अदा किया है। प्रो-पीपल और प्रो-एक्टिव शासन के जरिए लोक कल्याण के लिए लोगों के घर-चौबारे तक जाकर उनकी समस्याओं के निराकरण का संवेदनशील प्रयास किया है।

- गुजरात सरकार ने जनाभिमुख परिश्रम यात्रा के दौरान जनहित के कई निर्णय लिए हैं और विकास के फल जन जन तक पहुंचाने के लिए परिणामोम्मुखी कार्य किया है। सेवा सेतु, प्रगति सेतु, दरिद्रनारायण की सेवा में जेनेरिक दवाई का स्टोर्स, मुख्यमंत्री अमृतम योजना का दायरा बढ़ाना, सरकारी भर्ती में पारदर्शिता, नर्मदा बांध को पूर्ण स्तर की ऊंचाई तक ले जाने का कार्य, श्रमिक अन्नपूर्णा योजना, सातवें वेतन आयोग का अमल, श्रवण तीर्थ दर्शन योजना, जमीन एन.ए. के अधिकार का विकेन्द्रीकरण कर टाउन प्लानर को अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजाति, वंचितों, आदिवासी तथा विकलांगों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों के लिए विशेष योजनागत लाभ, विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में उपयोग के लिए टैबलेट योजना इत्यादि जैसे अनेक असरदार एवं पारदर्शी कदमों से फास्ट ट्रैक गुजरात आप सभी की नजरों के समक्ष है।
- माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते नर्मदा योजना राष्ट्र को समर्पित करने का अवसर गुजरात के लिए अनोखे गौरव की घटना है। गुजरात की जीवन रेखा के समान नर्मदा योजना का सपना सरदार साहब ने देखा था, जिसे साकार करने के लिए भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी ने त्वरित एवं सकारात्मक

निर्णय लिए। इसके कारण वर्ष २०१७ में सरदार सरोवर बांध के सभी दरवाजे बंद होने से गुजरात के विकास के सभी दरवाजे खुल गए हैं। इस तरह, गुजरात के विकास के स्वर्ण युग का शुभारंभ हुआ है।

- गुजरात की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी जनप्रिय सरकार ने गुजरात के १० जिलों की सूखी धरा को सजल बनाने के ठोस कदम उठाएं हैं। पिछले डेढ़ दशक में ६,२३७ करोड़ की लागत से नहरों के विशाल नेटवर्क वाली सुजलाम सुफलाम योजना पूर्ण की है। १० नहरों एवं १० पाइपलाइनों के निर्माण के जरिए ४०० से अधिक तालाबों में पानी भरने से लाखों किसानों को सिंचाई की सुविधा का लाभ मिला है। सौराष्ट्र के क्षेत्रों को टैन्कर मुक्त करने के लिए राज्य सरकार ने भगीरथ कार्य शुरू किया है। सौनी योजना के अंतर्गत कुल ११५ बांधों में पानी भरकर, ११२६ किलोमीटर लंबी पाइपलाइन के द्वारा १० लाख एकड़ क्षेत्र को लाभान्वित किया जाएगा। इस तरह, सौराष्ट्र के १० जिलों के ६३ जलाशयों को भरकर ४,८५,००० एकड़ भूमि को सिंचाई की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। इससे सौराष्ट्र के लोगों को पेयजल की समस्या से स्थायी तौर पर निजात मिलेगी।
- "गुजरात ऑन फास्ट ट्रैक" के सूत्र को सच्चे अर्थ में चरितार्थ करने वाली मेरी सरकार ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों की समस्याओं का उनके घर-चौबारे पर जाकर समाधान करने के लिए सेवा सेतु महायज्ञ शुरू किया है। आवश्यक सेवाओं के लिए नागरिकों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी, जिससे समय, शक्ति और पैसों का व्यय होता था। सेवा सेतु जैसे नवीन प्रयासों के कारण जनता की समस्याओं का हल स्थानीय स्तर पर हो रहा है। नागरिकों को करीब १७ आवश्यक सेवाओं का

लाभ घर बैठे मिल रहा है। वर्ष २०१७-१८ में लगभग १८०० सेवा सेतु कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसका ६८ लाख से अधिक नागरिकों ने लाभ लिया है।

- यह सरकार संवेदनशील सरकार है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण है सरकार का करुणा अभियान। हमारा उत्साह पशु-पक्षियों के लिए हानिकारक न बने, इसके लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। उत्तरायण के त्यौहार के दौरान राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में 'करुणा अभियान' शुरू किया गया। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष नवीन पहल के रूप में करुणा ऐनीमल ऐबूलेंस-१९६२ सेवा गुजरात के ७ जिलों-अहमदाबाद, सूरत, वड़ौदरा, महेसाणा, पालनपुर-बनासकांठा और भावनगर जिलों में कार्यान्वित की गई है।
- कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। राज्य सरकार ने कृषकों एवं पशुपालकों की विशेष चिंता की है। किसानों को उनकी पैदावार का उचित मूल्य और उनकी मेहनत का वाजिब हक दिलाने की दिशा में संवेदनशील निर्णय लेते हुए राज्य सरकार ने मूंगफली और अरहर की दाल की समर्थन मूल्य पर खरीदी की है। राज्य के विभिन्न केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर खरीदी की योजना के तहत २०००.७३ करोड़ रुपये मूल्य की कुल ४.४१ लाख मेट्रीक टन मूंगफली की खरीदी की गई है, जिसका २३ लाख से अधिक किसानों को लाभ मिला है। मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी के अलावा प्रति क्विंटल ५० रुपये का बोनस भी दिया गया है। सूक्ष्म सिंचाई को प्रोत्साहन के लिए वर्ष २०१७-१८ से राज्य सरकार ने सीमांत एवं सामान्य किसानों की सब्सिडी बढ़ाकर ५० फीसदी के बजाय ७० फीसदी और अनुसूचित जाति व जनजाति के किसानों के लिए ७५ फीसदी से बढ़ाकर ८५ फीसदी करने की घोषणा की है।

- गुजरात एवं देश में ३५ वर्ष से नीचे की उम्र के ६५ से ६७ फीसदी युवा हैं। पंडित दीनदयाल जी के 'हर हाथ को काम' नारे को गुजरात ने **मेगा जॉब फेयर** द्वारा सच्चे अर्थ में चरितार्थ करने की दिशा में ठोस कार्य किया है। जॉब फेयर की शुरुआत के सिर्फ सात दिनों में लगभग १ लाख १० हजार युवाओं को रोजगार मुहैया कराया है। एक वर्ष के समयकाल में ही १० लाख से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया गया है।
- युवाओं को अधिक से अधिक एवं तेजी से सरकारी सेवाओं में नियुक्ति मिले, इसके लिए तृतीय श्रेणी की प्रतीक्षा सूची को दोगुनी करने का निर्णय किया गया है। इसी तरह, गुजरात पब्लिक सर्विस कमिशन द्वारा प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी की भर्तियों की प्रतियोगी परीक्षाएं अब से प्रति वर्ष आयोजित करने का अहम निर्णय भी किया गया है।
- गुजरात के होनहार युवा अपनी बुद्धि एवं कुशलता से समूची दुनिया में डंका बजाने का हौसला रखते हैं। राज्य सरकार ने युवा शक्ति को भलीभांति पहचानते हुए टैबलेट योजना का महत्वपूर्ण कदम उठाया है। डिजिटल इंडिया की दिशा में आगे बढ़ने को कटिबद्ध कक्षा दसवीं के बाद डिप्लोमा में प्रवेश प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी भाई-बहनों को सिर्फ १००० रुपये की टोकन दर पर टैबलेट देने का अहम निर्णय मेरी सरकार ने किया है।
- अपना गुजरात पूज्य महात्मा गांधी जी के आदर्शों को चरितार्थ करने वाला राज्य है। राज्य के युवाओं के भविष्य को और भी उज्जवल बनाने के लिए मेरी सरकार ने अत्यंत कारगर कदम उठाए हैं। युवाओं को नशाखोरी के चंगुल से बचाने के लिए सरकार ने नशाबंदी के कानून को ज्यादा सख्त बनाकर शराब बेचने वाले, रखने वाले और उसकी

तस्करी करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के लिए दस वर्ष की सजा और पांच लाख रुपये के दंड के प्रावधान वाला कड़ा कानून बनाया है। इसके अलावा, नशाबंदी अधिनियम में हुक्का बार पर भी प्रतिबंध लागू किया गया है। नशाखोरी के चलते बर्बाद होते परिवारों को बचाने की दिशा में परिणामोम्मुखी कदम उठाकर राज्य की माताओं-बहनों और बेटियों की वेदना के प्रति संवेदनशीलता दिखाई है।

- ऐसा नहीं है कि गुजरात के युवा सिर्फ सरकारी भर्ती या अन्य निजी उद्यमों में नौकरी करना चाहते हैं, बल्कि वे तो देश के अन्य राज्यों के युवाओं को राह दिखाते हैं। गुजरात के युवा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम स्तर की इकाइयों की स्थापना कर स्वावलंबी बने हैं। ऐसे उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने एक अलग आयुक्त कार्यालय शुरू किया है।
- उद्योग एवं खान क्षेत्र के लिए ३८०० करोड़ रुपये की भारी धनराशि राज्य सरकार ने आवंटित की है। एम.एस.एम.ई. (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के प्रति विशेष लक्ष्य केन्द्रित कर सरकार ने अपनी औद्योगिक नीति में इस दिशा में कई कदम उठाए हैं।
- महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार ने पारदर्शिता से अहम कदम उठाए हैं। नारी शक्ति के समुचित सम्मान एवं विकास के लिए सरकार ने महिला रोजगार मेलों का प्रभावी आयोजन किया है। देश एवं राज्य के विकास में महिलाओं के सक्रिय योगदान को सुनिश्चित करने के लिए कौशलवर्धन के साथ रोजगार के अवसरों का निर्माण किया गया है। इसके अंतर्गत २५ हजार से अधिक महिलाओं को रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार प्रदान कर आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाया है।

- श्रमिकों के कल्याण को समर्पित इस सरकार ने २७ विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की हैं। श्रमिक-मजदूर केन्द्रों पर निर्माण क्षेत्र के श्रमिकों को १० रुपये में भोजन की थाली उपलब्ध कराकर गरीबोन्मुखी दृष्टिकोण द्वारा राज्य सरकार ने श्रमिकों की सच्ची चिंता की है। घर से दूर कार्यस्थल पर मजदूरी करने वाले श्रमिकों को गरम पौष्टिक आहार मुहैया कराकर राज्य सरकार ने श्रमिकों के लिए संवेदनशील कदम उठाया है। राज्य सरकार के इस मानवतापरक निर्णय से हजारों श्रमिक कार्यस्थल पर ही भरपेट भोजन कर सकते हैं। फिलहाल आठ शहरों के ८८ केन्द्रों पर २५ हजार श्रमिकों को प्रतिदिन इस योजना का लाभ मिल रहा है।
- पिछली वर्षा के मौसम में बनासकांठा एवं पाटण जिलों में अतिवृष्टि से प्रभावित जनजीवन को बहाल करने के लिए गुजरात सरकार ने भगीरथ प्रयास किए थे। दोनों जिलों में हालात को सामान्य बनाने के लिए सरकार ने १५०० करोड़ रुपये की राहत सहायता पैकेज प्रदान कर उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।
- गुजरात के प्रत्येक नागरिक को सस्ती, सरल और असरदार स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने की दिशा में सरकार ठोस कदम उठा रही है। स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन का वास होता है, जो आंतरिक विकास से लेकर बाह्य विकास के लिए अनिवार्य है। सभी गुजरातियों को श्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवाएं रियायती दरों पर स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए मेरी सरकार ने आशीर्वाद समान निर्णय लिए हैं। साढ़े छह करोड़ प्रदेशवासियों के निरामय-तंदुरस्त जीवन के लिए कृत संकल्प मेरी सरकार ने 'मा-योजना और मा-वात्सल्य योजना' का दायरा बढ़ाया है। इस योजना में आय सीमा को पहले के १.२० लाख रुपये से बढ़ाकर १.५० लाख रुपये किया है। नतीजतन, योजना के तहत दर्ज

किए गए ४९.९५ लाख परिवारों में से ६.९७ लाख लोगों को ९५७ करोड़ रुपये की निःशुल्क स्वास्थ्य उपचार सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

- मिशन इंद्रधनुष के अंतर्गत आवश्यक टीकाकरण से वंचित रहे या एक-दो टीकों के बाद पूर्ण टीकाकरण से वंचित रहे बच्चों एवं गर्भवती बहनों को ढूंढ़कर उन्हें टीका लगाकर सुरक्षित करने के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा सघन टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है। कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे और देश का भविष्य उज्जवल बने, इसके लिए झुग्गियों, ईंट भट्ठों, जीआईडीसी और खेतों में रहने वाले परिवारों का सर्वे कर टीकाकरण से छूट गए बच्चों एवं गर्भवती माताओं का टीकाकरण किया गया है।
- गरीबों को रियायती दरों पर दवाइयां मुहैया कराने के लिए राज्य में करीब ५०० जेनेरिक स्टोर्स शुरू करने की ठोस योजना है। इसमें से प्रथम चरण में १४६ स्टोर्स कार्यरत किए जा चुके हैं। बाजार मूल्य के मुकाबले ३० से ८० फीसदी कम दरों पर उतनी ही गुणवत्तायुक्त दवाइयां इन जेनेरिक स्टोर्स में गरीब मरीजों को उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके चलते बीमार या उपचाराधीन व्यक्ति के परिवार पर आर्थिक बोझ में कमी आएगी।
- उज्जवल भविष्य के निर्माण में शिक्षा बेहद अहम कारक है। देश में सर्वप्रथम मेरी सरकार ने स्कूल फीस नियमन अधिनियम को लागू कर ऐतिहासिक कदम उठाया है। राज्य के गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के अनुकूल फीस तय करने का निर्णय राज्य सरकार ने लिया है, जिससे राज्य के करीब ३७ लाख विद्यार्थियों को फीस नियंत्रण का फायदा मिलेगा। संपूर्ण फीस के नियंत्रण का कदम देश में मात्र गुजरात में ही उठाया गया है। फीस नियंत्रण सामाजिक सुधार का मजबूत कदम है।

- आदिवासियों के विकास के लिए राज्य सरकार त्वरित एवं ठोस निर्णय ले रही है। अंबाजी से उमरगाम तक के पूर्वी पट्टे के आदिवासी लोगों को मुख्य धारा में शामिल करने को राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार ने **'पेसा'** एक्ट का प्रभावी कार्यान्वयन किया है। राज्य की ५० जनजातीय तहसीलों की २५८४ ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाली ४५०३ ग्राम सभाओं को लघु वनोपजों एवं लघु खनिजों सहित विकास के निर्णय स्थानीय स्तर पर ही करने का विशेष अधिकार राज्य सरकार ने दिया है। राज्य के १९६ वन में बसे गांवों को राजस्व गांव घोषित कर राजस्व गांव का दर्जा दिया है। वन अधिकार अधिनियम के तहत अब तक ८४,००० आदिवासियों को जंगल की जमीन के अधिकार दिए जा चुके हैं। अनुसूचित जनजाति के लोगों के लिए रोजगार निर्माण के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के लिए राज्य में २४ हाट बाजार स्थापित करने की योजना को स्वीकृति दी गई है। इनमें से ४ हाट बाजार कार्यरत हैं तथा ७ हाट बाजारों का भवन निर्माण कार्य प्रगति में हैं। सरकार की हलपति गृह निर्माण योजना, सरदार आवास योजना, इंदिरा आवास योजना और व्यक्तिगत सहायता योजना में हलपति लाभार्थियों को आवास सुविधा मुहैया कराने के लिए ३००० मकानों के लक्ष्य के समक्ष १०२१ मकानों का निर्माण कार्य प्रगति में है। अनुसूचित जनजाति समाज के सिकलसेल एनीमिया से पीड़ित रोगियों को चिकित्सकीय उपचार तथा पौष्टिक आहार के खर्च में सहायक बनने के लिए प्रति रोगी मासिक ५०० रुपये की सहायता देने की नई योजना शुरू की गई है।
- राज्य सरकार की मंशा **'आर्थिक राजधानी'** समान राज्य के शहरों को विकसित करने की है। मुख्यमंत्री 'स्वर्णिम जयंती शहर विकास' योजना के तहत नगरों एवं महानगरों

का अंतरढांचागत विकास कर नगरजनों को सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। ७ महानगरपालिकाओं और १५७ नगरपालिकाओं में कॉमन जी.डी.सी.आर. का प्रभावी अमल किया जा रहा है। माननीय प्रधानमंत्री प्रेरित **'स्वच्छता अभियान'** को गुजरात ने चरितार्थ किया है। इस बात से आप सभी अवगत होंगे कि देश के प्रथम ५० स्वच्छ शहरों में गुजरात के कुल १२ शहर शामिल हुए हैं।

- शहरों में रहने वाले शहरीजनों को आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल ४.२२ लाख आवासों का आयोजन किया गया है।
- यह बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि वर्ष २०१७ में यूनेस्को ने अहमदाबाद को **'वर्ल्ड हेरिटेज सिटी'** का दर्जा दिया है। इस तरह, अहमदाबाद शहर की यश गाथा में एक नया अध्याय शामिल हुआ है।
- राज्य सरकार ने धर्म, संस्कृति, संस्कार और विरासत का अनुसरण करते हुए राज्य के बुजुर्गों को गुजरात के यात्राधामों में दो रात्रि और तीन दिवस की यात्रा कराने वाली श्रवणतीर्थ दर्शन योजना क्रियान्वित कर बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया है।
- मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि 'जहां स्वच्छता, वहां प्रभु का वास' सूत्र को घर-घर गुंजायमान करने और प्रत्येक गांव तथा गली को स्वच्छ बनाने के लिए स्वच्छता अभियान की मुहिम को गुजरात ने अत्यंत उत्साहपूर्वक चलाया है। स्वच्छता के आग्रही और स्वच्छता अभियान को व्यापक स्वरूप प्रदान करने वाले पू. महात्मा गांधी की इस जन्मभूमि में प्रत्येक नागरिक स्वच्छता की प्रतिज्ञा लेकर स्वस्थ जीवन के प्रति प्रतिबद्ध बने तो 'स्वच्छता मिशन' विजन वर्ष २०१९ तक निश्चित रूप से पूर्ण हो सकेगा। मुझे

विश्वास है कि गुजरात के सभी नागरिक इस मिशन को पूरा करने में मेरी सरकार को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

- भाईयों और बहनों, आप सभी यह जानते हैं कि प्रत्येक गुजराती के सर्वांगीण विकास के लिए मेरी सरकार ने कई कार्य किए हैं और आगे भी करेगी। कई निर्णयों को अमलीजामा पहनाया है और कई अन्य को पहनाया जाएगा। गुजरात को आर्थिक, सामाजिक और नैतिक रूप से अधिक समृद्ध बनाने के निष्ठावान प्रयास हो रहे हैं। इस सेवायज्ञ में सभी नागरिकों की सहभागिता और उत्साहपूर्ण योगदान की महती आवश्यकता है। सभी के साथ, सहयोग और प्रेम के पूंज से गुजरात और भी दैदिप्यमान बनेगा।
- आइए, हम सभी गुजरात की विकास यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा और प्रामाणिकता से प्रतिबद्ध बने, जनता को सच्ची सत्ता की प्रतीति कराएं और जनाभिमुख शासन व्यवस्था को ज्यादा सुदृढ़ बनाएं।
- मैं पुनः सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस के पर्व की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द

जय जय गरवी गुजरात...